Dr.pragya kumari
Asst.prof.
Dept.of psychology
H.D.Jain college Ara

Scanned with CamScanner

Bottleneck theory of Selective Attention

—— o×o —— o×o ——

Bottleneck theory की व्याख्या ~~अंतर्गत~~ कई मनोवैज्ञानिकों द्वारा की गयी है। इसमें Broadbent, 1958, Treisman, 1964, and Deutsch & Deutsch 1963 के विचार प्रमुख हैं। इन मनोवैज्ञानिकों का मत है कि जिस तरह से यदि हम एक ऐसे Bottle में पानी डालने की कोशिश करते हैं जिसका मुँह छोटा है तो पानी को भीतर जाने में एक तरह का अवरोध उत्पन्न होता है और कुछ मात्रा में पानी बोतल के भीतर जाता है और कुछ मात्रा में वह बोतल से बाहर ~~निकल~~ गिर जाता है। ठीक उसी तरह यदि व्यक्ति को एक ही साथ कई तरह की सूचनाओं को संसाधित करना पड़ता है या उस पर ध्यान देना पड़ता है, तो वह सभी ऐसी सूचनाओं पर एक साथ ध्यान नहीं दे पाता है क्योंकि उसमें जैविक रूप से आधारित एक तरह का मार्गविरोध होता है। कुछ सूचनाएँ इस मार्गविरोध को पार करते ~~जाती है~~ हुये व्यक्ति के ध्यान में प्रवेश पाती है परन्तु कुछ सूचनाएँ पीछे ही रह जाती हैं क्योंकि वे मार्गविरोध को

पार नहीं कर पाती हैं। जो सूचनाएँ पीछे रह जाती हैं वह व्यक्ति के ध्यान केन्द्र के बाहर हो जाती हैं और धीरे धीरे व्यक्ति उन्हें भूल जाता है।

Selective attention का सबसे पहला मार्ग विरोधी सिद्धांत Broadbent, 1958 द्वारा प्रतिपादित किया गया। इस सिद्धांत को Filter theory भी कहा जाता है। इसके अनुसार जब व्यक्ति को एक ही समय कई तरह की सूचनाओं को संसाधित करना पड़ता है अर्थात ध्यान देना पड़ता है तो इस आरंभिक अवस्था में bottleneck उत्पन्न हो जाता है। Broadbent model को early selective model भी कहा जाता है क्योंकि इसमें सूचनाओं के संवेदी पंजीकरण के तुरंत बाद ही चयन प्रक्रिया प्रारंभ हो जाती है। Deutsh & Deutsh के model को late selection model भी कहा जाता है क्योंकि इसमें चयन या filter memory में होता है न कि sensory registration के तुरंत बाद और इस तरह से इसमें सूचना संसाधन विलम्ब से होता है।

Selective attention के early selection model तथा Late selection model के बारे में यह कहा जा सकता है कि इन दोनों model प्राप्त सूचनाओं को संसाधित करने की क्षमता पर व्यक्ति में एक Biological limitation होने की पूर्व कल्पना करता है। परन्तु Early selection model यह मानता है कि sensory system की सीमाओं द्वारा ध्यान का निर्धारण होता है तथा दैहिक संयम या नियंत्रण से ही अवधानात्मक नियंत्रण का निर्धारण होता है। दूसरे तरफ ~~Delayed~~ late selection model यह पूर्वकल्पना करता है कि व्यक्ति की स्मृति एवं प्रत्याशाओं से इस बात का निर्धारण होता है कि व्यक्ति किस चीज पर ध्यान देता है तथा हमलोग आगे क्या संसाधित करने जा रहे हैं। Broadbent model में इस तरह का मार्गविरोध Pattern recognition की प्रक्रिया से पहले ही उत्पन्न हो जाता है। इस तरह के मार्ग विरोध का उद्देश्य अधिक संख्या में सूचनाओं को ध्यान केन्द्र में प्रवेश करने से रोकना होता है ~~परन्तु~~ तथा साथ ही साथ व्यक्ति को कई तरह की सूचनाओं से एक ही साथ